राष्ट्रीय मखाना बोर्ड भारत सरकार के सौजन्य से कृषि विज्ञान केंद्र-2, सीतापुर एवं उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान मे
"मखाना उत्पादन से उद्यमिता तक" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन श्री कृष्णा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस नेपालापुर सीतापुर मे किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवृद्ध फाउंडेशन के निदेशक श्री पी एस ओझा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि उत्तर प्रदेश मे मखाना उत्पादन एवं विस्तार की अपार सम्भावनाए है जरूरत है किसानों को अधिक जागरुक करने की।
विशिष्ट अतिथि जिला उद्यान अधिकारी सुश्री राजश्री ने कहा कि मखाना की खेती कृषक एवं महिलाओ की आजीविका बढाने मे एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।
जिला कृषि अधिकारी संजीव कुमार ने खेत तालाब योजना के माध्यम से मखाना की खेती अपनाने पर बल दिया।
पादप रक्षा अधिकारी शिवशंकर ने कहा कि मखाना की खेती में कीट बीमारियों का खतरा बहुत कम रहता है जिससे किसानों को अधिक दिक्कत नही उठानी पडती है
कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डाॅ दया एस श्रीवास्तव ने कहा कि मखाना सेहत का खजाना होने के साथ साथ कम लागत, कम समय एवं अधिक लाभ देने वाली खेती है जिसमें उद्यमिता की असीम सम्भावनाए है युवाओ को इस क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाएगा।
परियोजना अन्वेषक डाॅ शुभम सिंह राठौर ने मखाना उत्पादन तकनीक एवं मूल्य संवर्धन पर प्रतिभागियों को आडियों वीडियो के माध्यम से जागरुक किया।
कार्यक्रम मे केवीके के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ आनंद सिंह, मृदा वैज्ञानिक डाॅ सचिव प्रताप तोमर नें मखाना उत्पादन तकनीक और उद्यमिता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।
कार्यक्रम मे मखाना तकनीक एवं प्रसंस्करण पर एक पुस्तिका का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया।
कार्यक्रम उपरांत विद्यार्थियों द्वारा जागरुकता रैली भी निकाली गई जिसमे विभिन्न स्लोगन के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया।
श्री कृष्णा कालेज के पूर्व प्राचार्य अरूण कुमार त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।
कार्यक्रम में 237 लोगों नें प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय
मखाना
बोर्ड
भारत
उ0प्र0
कृषि
अनुसंधान

मखाना अपनाना उत्तर प्रदेश
को अव्वल है बनाना।
मखाना उगाने में आसान
हीरे सा दाम।
जंक फूड को छोड़ो,
मखाना से नाता जोड़ो।
मखाना की खेती अब आसान,
यंत्रों मशीनों से होगा समाधान।
मखाना निर्यात बढ़ाएंगे,
अर्थव्यवस्था चमकाएंगे।
हर घर मखाना
हर हाथ काम।

राष्ट्रीय
मखाना
बोर्ड
भारत
ICAR
कृषि
अनुसंधान